an>

Title: Need to set up a team to report on the condition of railway underpasses facing inundation during rainy season on Kota-Bundi railway section in Rajasthan.

श्री ओम बिरला (कोटा) ः कोटा-बूंदी जिले की रेलवे लाईन पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के अधीन आती है। इसमें मुख्य रूप से चार रूट अवस्थित हैं- दिल्ली-सवाई माधोपुर-कोटा-मुम्बई मार्ग, जयपुर-सवाई माधोपुर-जबलपुर मार्ग, कोटा-चित्तौड़-उदयपुर मार्ग, कोटा-झालावाड़ मार्ग।

उक्त मार्गों पर पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न फाटकों को बंद करके रेलवे द्वारा अंडर पास बनाये गये थे। रेलवे इंजीनियरिंग के अधिकारियों द्वारा आसपास की परिस्थितियों का अवलोकन किये बगैर गलत डिजाईन के अंडर पास बना दिये गये, जिनके कारण लगभग आधे से अधिक अंडर पास जल प्लावन की समस्या से ग्रस्त हैं। कोटा-चित्तौड़ रेलवे लाईन के गेट नं. 10 का अंडर पास, ग्राम देहित (प्रथम) प.स. तातेड़ा का अंडर पास, फाटक सं. 20, निर्माणाधीन फाटक सं. 21, कोटा-रूठियाई सेक्शन में पौलाई खुर्द गेट नं. 10 का अंडर पास, कल्याणपुरा अण्डर पास आदि ऐसे उदाहरण हैं जहां पानी भरा होने के कारण समूचे साल आवागमन नहीं हो पा रहा है।

अतः यह सर्वे कराया जाना अत्यंत आवश्यक है कि कोटा मंडल में कितने अंडर पास वर्षा पर्यन्त आवागमन योग्य नहीं हैं। इस हेतु एक उच्च स्तरीय जांच दल गठित की जाए तथा उक्त सर्वे में अंडर पास से आवागमन करने वाले ग्रामीणों की राय भी सम्मिलित की जाये।

मेरी सरकार से मांग है कि अंडर पासों में पानी भरने की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।